



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-20072026-274631
CG-DL-E-20072026-274631

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 205]
No. 205]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 14, 2026/आषाढ 23, 1948
NEW DELHI, TUESDAY, JULY 14, 2026/ASHADHA 23, 1948

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

जांच शुरूआत अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 2026

मामला सं: एडी/एए/001/2026

विषय: चीन जनवादी गणराज्य में उद्भूत या वहाँ से निर्यातित “अर्ध-निर्मित नेत्र संबंधी लेंस” के आयात से संबंधित डंपिंगरोधी जाँच में प्रतिप्रेषण कार्यवाही।

फा. सं. 6/6/2021-डीजीटीआर.— 1. माननीय सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (सेस्टेट) ने एसिलोरलक्सोटिका एशिया पैसिफिक प्राइवेट लिमिटेड बनाम नामित प्राधिकारी एवं अन्य के मामले में, जो चीन जनवादी गणराज्य में उद्भूत या वहाँ से निर्यातित “अर्ध-निर्मित नेत्र संबंधी लेंसों” के आयात से संबंधित डंपिंगरोधी शुल्क से संबंधित है, अपने दिनांक 27 अप्रैल 2026 के अंतिम आदेश सं. 50783-50793/2026 के माध्यम से दिनांक 29 सितंबर 2022 के अंतिम निष्कर्षों को उस सीमा तक अपास्त कर दिया है जहाँ तक एसिलोर समूह को असहयोगी माना गया था। माननीय न्यायाधिकरण ने इस मामले को नए सिरे से विचार हेतु निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस निर्देश के साथ प्रतिप्रेषित कर

दिया है कि एसिलोर समूह के मामले की, उसे एक सहयोगी निर्यातक/उत्पादक मानते हुए, नए सिरे से जाँच की जाए तथा विधि के अनुसार उसके वैयक्तिक डंपिंग मार्जिन का निर्धारण किया जाए।

2. चूँकि एसिलोर समूह के संबंध में डंपिंग मार्जिन के निर्धारण से संबंधित मुद्दों पर पुनर्विचार हेतु यह मामला नामित प्राधिकारी को प्रतिप्रेषित कर दिया गया है, अतः प्राधिकारी ने माननीय न्यायाधिकरण द्वारा की गई टिप्पणियों के आलोक में उपयुक्त समझे गए प्रक्रम से प्रतिप्रेषण कार्यवाही आरंभ कर दी है। प्राधिकारी अभिलेख पर उपलब्ध सुसंगत जानकारी की नए सिरे से जाँच करेगा तथा डंपिंगरोधी नियमों के उपबंधों के अनुसार सभी हितबद्ध पक्षों को अपने अभ्यावेदन प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करेगा। प्राधिकारी एसिलोर समूह को सहयोगी निर्यातक/उत्पादक मानते हुए उसके सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और डंपिंग मार्जिन का निर्धारण करने हेतु अग्रसर होगा।
3. सभी हितबद्ध पक्षों से अपेक्षित है कि वे सेतु पोर्टल (<https://setu.dgtr.gov.in>) पर स्वयं को पंजीकृत करें। हितबद्ध पक्षों से प्राप्त सभी संप्रेषण एवं अभ्यावेदन उनके पंजीकृत नाम तथा संगत मामला सं: एडी/एए/001/2026 (AD/AA/001/2026) के अंतर्गत सेतु पोर्टल पर अपलोड किए जाएँगे। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि अभ्यावेदन का विवरणात्मक भाग खोजने-योग्य (सर्चेबल) पीडीएफ/एमएस-वर्ड प्रारूप में तथा आँकड़ा फाइलें एमएस-एक्सेल प्रारूप में हों।
4. कोई अन्य हितबद्ध पक्ष भी इस आरंभन अधिसूचना, डंपिंगरोधी नियम, 1995 तथा प्राधिकारी द्वारा जारी लागू व्यापार सूचनाओं में विहित प्रपत्र एवं रीति में, इस आरंभन अधिसूचना में विहित समय-सीमा के भीतर, वर्तमान जाँच से संबंधित अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकता है।
5. प्राधिकारी के समक्ष कोई गोपनीय अभ्यावेदन प्रस्तुत करने वाले किसी भी पक्ष से अपेक्षित है कि वह उसका गैर-गोपनीय संस्करण अन्य पक्षों को उपलब्ध कराए।
6. हितबद्ध पक्षों को यह भी सलाह दी जाती है कि वे इस जाँच के संबंध में किसी भी अद्यतन जानकारी हेतु व्यापार उपचार महानिदेशालय की आधिकारिक वेबसाइट (www.dgtr.gov.in) तथा सेतु पोर्टल (<https://setu.dgtr.gov.in>) पर नियमित रूप से नजर रखें। हितबद्ध पक्षों को निर्देश दिया जाता है कि वे विषयगत जाँच में आगे के घटनाक्रमों से अवगत रहने तथा समय-समय पर जारी की जाने वाली सूचनाओं के संबंध में सूचित बने रहने के लिए डीजीटीआर की वेबसाइट (<https://www.dgtr.gov.in/>) पर नियमित रूप से जाएँ।
7. किसी हितबद्ध पक्ष द्वारा सूचना तक पहुँच से इनकार किए जाने अथवा अन्यथा किसी युक्तियुक्त अवधि के भीतर या इस जाँच शुरूआत अधिसूचना में प्राधिकारी द्वारा नियत समय के भीतर आवश्यक सूचना प्रदान न किए जाने, अथवा जाँच में पर्याप्त रूप से बाधा डाले जाने की स्थिति में, प्राधिकारी ऐसे हितबद्ध पक्ष को असहयोगी घोषित कर सकता है तथा उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्ष अभिलिखित कर सकता है और केंद्र सरकार से ऐसी सिफारिशें कर सकता है जो उपयुक्त समझी जाएँ।

अमिताभ कुमार, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 14th July, 2026

Case ID: AD/AA/001/2026

Subject: Remand Proceeding in the anti-dumping investigation concerning imports of “Semi-Finished Ophthalmic Lens” originating in or exported from China PR.

F. No. 6/6/2021-DGTR.— 1. The Hon’ble Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT), vide Final Order Nos. 50783–50793/2026 dated 27th April 2026 in the matter of Essilorluxottica Asia Pacific Pte. Ltd. v. Designated Authority & Ors., concerning anti-dumping duty relating to imports of “Semi-Finished Ophthalmic Lenses” originating in or exported from China PR, has set aside the Final Findings dated 29th September 2022 to the extent the Essilor Group was treated as non-cooperative. The Hon’ble Tribunal has remanded the matter back to the Designated Authority for fresh consideration, with a direction to examine the case of the Essilor Group afresh by treating it as a cooperative exporter/producer and to determine its individual dumping margin in accordance with law.

2. Since, the matter has been remanded back to the Designated Authority for reconsideration of the issues relating to determination of dumping margin in respect of Essilor Group, the Authority has taken up the remand proceedings from the stage considered appropriate in light of the observations made by the Hon’ble Tribunal. The Authority shall undertake fresh examination of the relevant information on record and provide an opportunity to all interested parties to present their submissions in accordance with the provisions of the Anti-Dumping Rules. The Authority shall proceed to determine the normal value, export price and dumping margin for the Essilor Group by treating it as a cooperative exporter/producer.
3. All the interested parties are required to register themselves on SETU Portal (<https://setu.dgtr.gov.in>). All communications and submissions from the interested parties shall be uploaded on the SETU portal under their registered name and corresponding case ID-AD/AA/001/2026. It should be ensured that the narrative part of the submission is in searchable PDF/MS-Word format and data files are in MS-Excel format.
4. Any other interested party may also make submission relevant to the present investigation in the form and manner as prescribed by this initiation notification, the AD Rules, 1995 and the applicable trade notices issued by the Authority, within the time limits prescribed in this initiation notification.
5. Any party making any confidential submission before the Authority is required to make a non- confidential version of the same available to the other parties.
6. The interested parties are further advised to keep a regular watch on the official website of the Directorate General of Trade Remedies at (www.dgtr.gov.in) and SETU portal (<https://setu.dgtr.gov.in>) for any updated information with respect to this investigation. Interested parties are directed to regularly visit the website of the DGTR (<https://www.dgtr.gov.in/>) to stay apprised with the further developments in the subject investigation and remain informed regarding notices that may be issued from time to time.
7. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period or within the time stipulated by the Authority in this initiation notification, or significantly impedes the investigation, the Authority may declare such interested party as non-cooperative and record its findings based on the facts available and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

AMITABH KUMAR, Designated Authority